• समझें...

इन राशियों के लोग नहीं होते मैच्योर

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि जीवन में हर तरह के संघर्ष झेलने पड़ते हैं। जब जिंदगी में परेशानी आती है तब सभी अपने तरीके से उसे सुलझाने के लिए जी जान लगा देते हैं। सिर्फ उम्र ही नहीं, व्यक्ति को मानसिक रूप से भी परिपक्व बनना पड़ता है। मगर ऐसा करने में सभी राशियां सफल नहीं हो पाती हैं। जी हां, कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें हकीकत की इस दुनिया में कुछ ज्यादा ही संघर्ष करना पड़ता है। कुछ ऐसी राशियां हैं जो उम्र के साथ मैच्योर नहीं होती हैं। इन्हें दूसरे लोगों के मुकाबले दुनिया की सच्चाई का सामना करने में अधिक समय लगता है। देखते हैं कौन सी राशियां हैं जो इमैच्योर मानी जाती हैं।

मेष: जब चीजें मेष राशि के जातकों के मन के मुताबिक नहीं होती हैं तो ये बच्चों की तरह नखरे करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। ये आवेश में रहते हैं और बहुत जल्दी गुस्सा हो जाते हैं। ये अपने बिगड़े हुए मूड को संभाल नहीं पाते हैं और फट पड़ते हैं। इन सभी कारणों की वजह से इन्हें इमैच्योर कहा जाता है। मेष राशि के जातकों में फोकस की कमी होती है, इन्हें अपने इमोशन पर नियंत्रण रखना सीखना चाहिए।

मिथुन: इस राशि के जातक अपनी हवाई दुनिया में ही रहना पसंद करते हैं। ये किसी भी बात को संजीदगी से नहीं लेते हैं और चीजों से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। इस राशि के लोग दिल से हमेशा जवान रहते हैं और ये खूबी बुढ़ापे तक इनके साथ रहती है। जिंदगी के अहम मामलों को लेकर भी इनका लापरवाह रवैया इन्हें इमैच्योर बना देता है।

कर्क : कर्क राशि के जातकों में बचपना भरा होता है और ये बच्चों की तरह चिड़ भी जाते हैं। जब इन लोगों के मन के मुताबिक काम नहीं होता है या फिर सामने वाला इनकी बातों से सहमत नहीं होता है तो ये उसे ब्लैकमेल करना अच्छी तरह जानते हैं। इनकी इन्हीं हरकतों की वजह से इनके सहकर्मी और पार्टनर परेशान रहते हैं।

मीन : मीन राशि के जातक अपनी ही सोच का एक बुलबुला बनाकर उसमें जीते हैं। इन लोगों में जीवन को देखने का नजरिया नहीं होता है और ये आमतौर पर अपने भावनाओं को खुद पर हावी होने देते हैं। अगर काम इनके हिसाब से नहीं होता है तो ये गुस्सा होकर या फिर रोकर उसे करने की जिद करते हैं।

• भविष्य बताता है...

उंगलियों के बीच का फासला

हाथ की रेखाएं तो आपके बीते कल और भविष्य के बारे में बता देती है, वहीं उंगलियों की मदद से भी आपके व्यक्तित्व से जुड़े कई राज पता लगाए जा सकते हैं। हस्तरेखा ज्योतिष की मदद से हथेली पर बनने वाली रेखाओं और निशानों से किसी भी इंसान के स्वभाव और भविष्य की जानकारी मिलती है। उंगलियों के बीच में कितना अंतर है इसकी सहायता से व्यक्ति के बारे में काफी कुछ जाना जा सकता है।

तर्जनी और मध्यमा उंगली के बीच गैप : अगर तर्जनी यानी अंगूठे के पास वाली उंगली और मध्यमा यानी बीच वाली उंगली के बीच खाली जगह दिखती है तो ऐसे इंसान के विचार स्वतंत्र होते हैं। ये अपने लक्ष्य को लेकर फोकस रहते हैं। इनकी मेहनत का फल इन्हें मिलता है। अगर इन दोनों उंगलियों के बीच गैप ज्यादा है तो इसका मतलब है कि वे मतलबी किस्म के हो सकते हैं।

मध्यमा और अनामिका के बीच दूरी : माना जाता है कि व्यक्ति के बीच वाली उंगली और अनामिका यानि रिंग फिंगर के बीच खाली जगह नहीं बननी चाहिए। इन दोनों उंगलियों का पास होना शुभ होता है। यदि किसी व्यक्ति के इन दोनों उंगलियों के बीच में दूरी होती है तो उसका व्यक्तित्व लापरवाह किस्म का होता है। ऐसे लोग सिर्फ अपने और अपने फायदे के बारे में सोचते हैं।

अनामिका और सबसे छोटी उंगली के बीच दूरी : यदि किसी व्यक्ति की अनामिका यानि रिंग फिंगर और कनिष्ठा अर्थात सबसे छोटी उंगली के बीच दूरी हो तो उसे अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसे व्यक्ति काफी गुस्सैल स्वभाव के होते हैं। अपना काम पूरा करवाने के लिए ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। मगर ऐसे लोग अपने परिवार को भी काफी तरजीह देते हैं। ये अपनी फैमिली के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं।

जिनकी उंगलियों के बीच नहीं होता फासला : कई लोग ऐसे भी होते हैं जिनकी उंगलियों के बीच में कोई गैप ही नहीं होता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार जिन लोगो के उंगलियों के बीच में फासला नहीं होता है वे काफी गंभीर स्वभाव के होते हैं। ये दूसरों के जीवन में दखलंदाजी करना पसंद नहीं करते हैं। वहीं दूसरी तरफ जिन लोगों की सभी उंगलियों के बीच में गैप होता है उनमें ऊर्जा की कमी नहीं होती है। ऐसे लोग सकारात्मक सोच के मालिक होते हैं।

बनी रहेगी सुख समृद्धि...

घर की रसोई से लेकर घर के कमरे तक किस दिशा में होने चाहिए इस सब का ध्यान रखना जरूरी है। अगर घर से परेशानी जाने का नाम नहीं ले रहीं तो हो सकता है कि घर में वास्तु दोष हों।

वास्तु के उपाय छोटे–छोटे उपाय बहुत कारगर सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ आसान से उपायों को आजमाकर जिंदगी को आसान बनाया जा सकता है...

वास्तुशास्त्र में ऐसा कई बातें बताई गई है जिसे करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है जैसे घर में किस दिशा में क्या रखना चाहिए। घर की रसोई से लेकर घर के कमरे तक किस दिशा में होने चाहिए इस सब का ध्यान रखना जरूरी है। अगर घर से परेशानी जाने का नाम नहीं ले रहीं तो हो सकता है कि घर में वास्तु दोष हों। वास्तु के उपाय छोटे-छोटे उपाय बहुत कारगर सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ आसान से उपायों को आजमाकर जिंदगी को आसान बनाया जा सकता है।

- घर में तुलसी जी का पौधा अवश्य होना चाहिए।
- घर में सूर्य की पेंटिंग लगाने से नकारात्मकता दूर हो जाती है।
- घर में समृद्धि के लिए पहली रोटी गाय या किसी पशु-पक्षी के लिए अवश्य निकालें।
- रसोईघर में तवा ऐसी जगह रखें, जहां बाहर से आने वाले किसी की भी नजर उस पर न पड़े। तवा और कढ़ाई कभी भी उल्टा करके नहीं रखना चाहिए। कभी भी गर्म तवे के ऊपर पानी की बूंदें नहीं डालें। ऐसा करने से परेशानियां घेर सकती हैं। रात का खाना बनाने के बाद तवे को अच्छी तरह से साफ कर ही रखें।
- भोजन के बाद जूठी थाली लेकर अधिक देर तक न बैठें। न ही कभी जूठे बर्तन में हाथ धोएं।
- बच्चों को अगर डर लगता है तो उनके सिरहाने के नीचे काजल की डिब्बी रखें।
- पूजाघर में बांसुरी को अवश्य रखें। ऐसा करने से घर में खुशी-शांति बनी रहती है।
- घर में कभी भी चप्पलें या जूते इधर-उधर बिखरे न रहें। इससे कलह का वातावरण उत्पन्न होता है।

- किसी भी महत्पूर्ण कार्य से जाने पर घर से निकलने से पहले दही जरूर खाएं।
- वास्तु के अनुसार घर के आसपास मौजूद पेड़ भी आपके लिए अशुभ हो सकते हैं। घर के ईशान और पूर्व दिशा में अधिक ऊंचे पेड़ नहीं होने चाहिए। ध्यान रखें कि आंगन और घर के आसपास भी ऐसे पेड़ न हों।
- घर के आसपास आधा सूखा या आधा जला हुआ पेड़ भी अशुभ माना जाता है। वास्तु में कहा गया है कि इससे घर में नकारात्मकता और बुरी हवाएं प्रवेश करती हैं।
- वास्तुशास्त्र में कहा गया है कि रेशम, ताड़, कपास, और आंवले का पेड़ पास होने से घर में कलह की स्थिति पैदा होती है। कहा जाता है कि घर में अगर ये काम होते हुए देखें तो तो इनका उपाय करना चाहिए। वास्तु के मुताबिक घर में ये संकेत सही नहीं माने जाते इसलिए समय रहते इन्हें देखकर तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए और इनके उपाय करने चाहिए जैस -
- अचानक घर में काले चूहों की संख्या बढ़ जाना इस बात की ओर संकेत करता है कि कोई नुकसान हो सकता है।
- अगर के दरवाजों, अल्मारियों, खिड़की में दीमक लग गई है या फिर मधुमक्खियों ने छत्ता बना लिया है तो इसे भी शुभ नहीं माना जाता। इससे घर के मालिक को परेशानी उठानी पड़ती है।
- कहा जाता है कि घर में अगर काली चींटियां आ जाएं तो घर में बरकत आती है, लेकिन अगर घर में लाल चींटियां आ जाएं तो कहा जाता है कि यह किसी हानि का सूचक है इसलिए ऐसा होने पर तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए।
- वास्तु में उत्तर दिशा को बहुत ही शुभ माना गया है। कहा जाता है कि अगर घर की उत्तर दिशा साफ-सुथरी हो तो घर में धन का आगमन होता है, लेकिन अगर घर की उत्तर दिशा खाली होती है तो इसे सही नहीं माना जाता।

• स्वप्न में...

पानी का जहाज...

यदि कोई व्यक्ति जहाज को बंदरगाह में खड़ा देखे तो बहुत जल्दी ही विदेश जाने का संयोग बनेगा और यह समुद्र यात्रा होगी, परंतु यही स्वप्न कोई विवाहित स्त्री देखती है तो उसका अपने पति से वियोग होगा। कोई अविवाहित लड़की यह स्वप्न देखे तो उसका विवाह धनी व्यवसायी से होगा। यदि जहाज को अपनी ओर से जाता हुआ देखे तो देखने वाले के धन की हानि होगी, परंतु आते हुए जहाज को देखने से अपार धनराशि की प्राप्ति होती है। यही स्वप्न कोई व्यापारी देखे तो उसे विदेश व्यापार से लाभ होता है। यदि सपने में व्यापारिक वस्तुओं से लदा जहाज देखे तो वह लाभदायक पेशे को चुनेगा। खाली जहाज देखने से आर्थिक स्रोत नष्ट हो जाते हैं। नौ सेना का अधिकारी यह स्वप्न देखे तो उसकी पदोन्नति होगी। युद्धपोत देखे तो शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगा। नाविक सपने में जहाज देखे तो उसकी यात्रा आनंदपूर्ण होगी। जहाज देखने का यह मतलब है कि भाग्योदय होने वाला है। जहाज का विध्वंस देखना द्रष्ट पर भारी विपत्ति आने की सूचना है।

• ऊर्जा प्रवाह...

❑ **घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह के लिए हर जगह सूरज का प्रकाश पहुंचना आवश्यक है। अगर घर में ऐसी कोई जगह हो, जहां धूप न पहुंचती हो तो उस स्थान को कपूर की टिकिया रखकर सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण किया जा सकता है। सुगंध आपके आसपास के वातावरण को सजीव बनाती है। फूलों की खुशबू प्राकृतिक औषधि है जो हर रोग को ठीक करने में सक्षम मानी जाती है। घर में सुगंध की मौजूदगी सकारात्मक ऊर्जा के स्तर में वृद्धि करती है। घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाएं। यह घर में मौजूद हवा को शुद्ध करता है।**